शनिवार
04 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 70
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जोहड़ी गांव जंगल मिटाने की तैयारी!

❑रिजर्व फॉरेस्ट में पोल लगाने पहुंचा बिजली विभाग-सवालों में सिस्टम!

विशेष संवाददाता

देहरादून। हंगामा बरपा, विरोध प्रदर्शन हुआ तब जाकर टूटी शासन-प्रशासन और वन विभाग की नींद। अपनी नाकामी और लापरवाही पर पर्दा डालने के लिए मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने की अवैध कब्जा धारक व बिजली विभाग के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई। सवाल यह है कि बड़ी संख्या में हुए पेड़ों के अवैध कटान और वन भूमि पर कब्जे को लेकर शासन-प्रशासन व वन विभाग के यह अधिकारी कहां कुंभकर्णी नींद में सोए हुए थे। सालों से चल रहे इन प्रयासों की

❑जंगल की जमीन पर कब्जे किसकी शह पर
❑मुकदमा क्या जंगल की सुरक्षा की गारंटी

जानकारी उन्हें क्यों नहीं लग सकी?

पेड़ गिराये जाते रहे, जमीन साफ की गई और फिर संरक्षित वन भूमि पर निर्माण कार्य होने से लेकर बिजली लाइन तक पहुंचाने का काम हो रहा था तब तक क्या इसकी भनक भी जंगलात के अफसरों को नहीं थी अगर जानकारी थी तो यह सारा खेल किसके इशारे पर हो रहा था? 2020-22 तक जोहड़ी गांव क्षेत्र का जो भूभाग घने जंगलों से आच्छादित था, 2025-26 तक जगह-जगह कैसे खाली हो गया? सैटेलाइट तस्वीरों में यह साफ देखा जा सकता है। सांध्य दैनिक 'दून वैली मेल' द्वारा ड्रोन से ली गई इन तस्वीरों में इसे साफ देखा जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण के सरोकारों के तहत अखबार द्वारा जब इसे उजागर किया गया तब क्षेत्र वासियों का ध्यान इस पर गया जिसके बाद हंगामा हुआ तथा विरोध प्रदर्शन के लिए लोग सड़कों पर आ गए। विद्युत लाइन बिछाये जाने का विरोध कर रहे क्षेत्र वासियों ने यहां से बिजली कर्मियों को खदेड़े जाने के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उनकी मजबूरी बन गई कि अवैध कब्जा और बिजली लाइन बिछाने वाले ऊर्जा विभाग के कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज कराया जाए। अब यह मीडिया संस्थानों की खबर तो बननी ही थी।

जोहड़ी के जंगलों पर अतिक्रमण कि यह खबर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

वन क्षेत्र की सुरक्षा प्राथमिकता में शामिलः ग्राम प्रधान

देहरादून। जंगल क्षेत्र में कथित अतिक्रमण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस पूरे मामले में अब ग्राम प्रधान सागर लामा का बयान सामने आया है। प्रधान ने स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने इस अतिक्रमण के मामले में वन विभाग को पहले ही लिखित शिकायत दी हुई है। उनका कहना है कि क्षेत्र में जो फेंसिंग लगाई गई है, वह भी उनके कहने पर ही लगाई गई थी, ताकि जंगल की जमीन को सुरक्षित रखा जा सके।

ग्राम प्रधान सागर लामा के अनुसार, उनका उद्देश्य केवल वन क्षेत्र की सुरक्षा और अतिक्रमण को रोकना है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कहीं भी अवैध गतिविधि हो रही है, तो उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। फिलहाल, मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर हलचल बनी हुई है और वन विभाग की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

मामले की हो उच्च स्तरीय जांचः सुजाता पाल

देहरादून। इस प्रकरण में जन प्रहार संस्था की संयोजक सुजाता पाल का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है जहां एक ओर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि राज्य के मुख्य सचिव 'डीम फारेस्ट' की सूची तैयार कर प्रस्तुत करें, वहीं दूसरी ओर जोहड़ी गांव के बीचों-बीच आरक्षित वन क्षेत्र में खुलेआम पेड़ों की कटाई और निर्माण सामग्री ले जाने का काम शुरू हो चुका है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि 4 मार्च 2025 के उच्चतम न्यायालय के मुख्य सचिव को दिए आदेशों की सीधी अवहेलना है। इसके अलावा और भी चिंताजनक यह है कि बिना वैध अनुमति के बिजली विभाग द्वारा वहां पोल लगाने की कार्रवाई की जा रही है, जिससे वन विभाग और प्रशासनिक मिलीभगत दिखती हैं। हम मांग करते हैं कि इस पूरे प्रकरण की तत्काल उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दून वैली मेल

संपादकीय

संकट में फंसी आम आदमी की जिंदगी

आजादी के अमृत काल में आम आदमी की जिंदगी इतनी मुश्किलों में फंस जाएगी इसकी कल्पना शायद देशवासियों ने कभी नहीं की होगी? पीएम मोदी संसद में आए और कह कर चलते बने कि देशवासियों को एक बार फिर कोविड काल जैसे हालातो से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। सवाल यह है कि सत्ता में बैठे लोगों ने आम आदमी को इस तरह के किसी भी संकट से बचाने के लिए क्या किया है? या फिर हर संकट और मुसीबतों को झेलने के लिए आम आदमी ही बना है। उसे ही मरना और खपना है? कोरोना काल की तरह डॉलर के मुकाबले रुपया रसातल में जा चुका है। महंगाई पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। बेरोजगारी अपने चरम पर है जिस माइक्रो इंडस्ट्रीज के सहारे गरीब और मजदूरों को रोटी कपड़ा और छत का जुगाड़ किसी तरह होता था वह बंदी की कगार पर है। शहरों से मजदूर अब अपने सामान को सर पर लादकर गांव की ओर पलायन कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब भोजन की व्यवस्था भी नहीं हो रही है तो वह भूखे पेट तो काम कर नहीं सकते हैं। रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी के बावजूद भी उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। फैक्ट्री और कारखानों में ताले पड़ते जा रहे हैं। महंगाई का आलम यह है कि खाद्य तेल-घी ही नहीं सभी अन्य वस्तुओं की कीमतें आसमान पर जा चुकी है। एक लीटर वाली पैकिंग में अब सिर्फ 750 ग्राम तेल-घी मिल रहा है वह भी बढ़ी हुई कीमतों के साथ। दाल-सब्जियों तक के दाम आसमान छू रहे हैं। देश के तमाम शहरों से आने वाली पलायन की खबरो और तस्वीरों से यह साफ है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बदहाल हो चुकी है। तथा देश की जीडीपी में 30 फीसदी की भागीदारी रखने वाली माइक्रो और लघु उद्योगों के चौपट होने से आम आदमी का जीवन और संकट में फंस गया है। रेहडी ठेली सड़कों पर लगाने वालों से लेकर होटल और रेस्टोरेंटों के व्यवसाय से आजीविका चलाने वालों तक सब संकट में फंस चुके हैं। ईरान इजराइल युद्ध के कारण पैदा हुए इस संकट का समाधान कब तक हो पाएगा इसकी कोई समय सीमा भी नहीं है। युद्ध के कारण मिडल ईस्ट के एनर्जी उत्पादक देशों को सबसे बड़ा नुकसान इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए हमले से हुआ है। तमाम बड़ी तेल रिफाइनरियों को इतना बड़ा नुकसान हुआ है कि युद्ध बंद होने तथा आयात निर्यात की बाधा दूर होने के बाद भी हालात सामान्य होने में महीनो नहीं सालों का समय लग जाएगा। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा अच्छे दिन लाने और आत्मनिर्भर भारत जैसे जितने भी दावे किए जाते रहे हैं वह सिर्फ जुमले ही साबित हुए हैं। देश का समाज और आम आदमी इस समय किस तरह के संकटों से चौतरफा घिर चुका है उसे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा का कोई रास्ता भी नहीं मिल पा रहा है। नोटबंदी व जीएसटी तथा कोविड की त्रासदी की मार से पहले से परेशान आम आदमी अब जिस तरह के आर्थिक संकट के चक्रव्यूह में फंस चुका है वह अत्यंत ही चिंतनीय है। क्योंकि इससे बचाव का कोई रास्ता उसे नजर नहीं आ रहा है।

नगर निगम ने की अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी ने बताया कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के अनुपालन एवं नगर आयुक्त नंदन कुमार, के निर्देशन के क्रम में आज नगर निगम हरिद्वार की टीम एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वार्ड संख्या 60, हरिलोक क्षेत्र में सब्जी मंडी के निकट सार्वजनिक सड़क पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया।

उन्होंने अवगत कराया कि अभियान के दौरान लगभग 50 ठेली/फेरी वालों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया तथा 3 ठेलियां जब्त की गई। साथ ही उक्त क्षेत्र में भविष्य में पुनः अतिक्रमण न किए जाने हेतु मुनादी भी कराई गई। अभियान के दौरान मुख्य सफाई निरीक्षक सुनील कुमार, नगर निगम अतिक्रमण प्रभारी आदित्य तेजेश्वर तथा अन्य नगर निगम एवं पुलिस की टीम मौजूद रही।

सहकारी बैंक का लाभ बढ़ाः धन सिंह

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकारी बैंकों एवं जिला सहकारी बैंकों की 290 शाखाओं ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर अपनी वित्तीय मजबूत कर 269.72 करोड़ का लाभ अर्जित किया है। एनपीए नियंत्रण के मोर्च पर भी बैंकों ने सख्त वित्तीय अनुशासन दिखाते हुए 39.88 करोड़ का एनपीए कम किया है, जो विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में 6 फीसदी से अधिक कम हुआ है।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में दस जनपदों के जिला सहकारी बैंकों व राज्य सहकारी बैंकों की 290 शाखाएं लाभ की स्थिति में पहुंच गई है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष यह संख्या 280 थी। इस अवधि में सहकारी बैंकों ने 269.72 करोड़ का लाभ अर्जित कर 150.82 करोड़ का शुद्ध मुनाफा कमाया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 28.96 करोड़ अधिक है।

विभागीय मंत्री ने बताया कि सहकारी बैंकों की बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता,)ण वितरण में सुधार तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया। एनपीए की समयबद्ध

❑राज्य व जिला सहकारी बैंकों की 290 शाखाओं में मुनाफा
❑बैंकों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया
❑एनपीए नियंत्रण के मोर्च पर भी बैंकों का एनपीए कम हुआ

वसूली के परिणामस्वरूप बैंकों की वित्तीय स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। इसके साथ ही एनपीए में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

विगत वर्ष बैंकों का सकल एनपीए जहां 690.11 करोड़ था वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह कम होकर 650.23 करोड़ रहा गया है यानी विगत वर्ष के मुकाबले 6.22 फीसदी सकल एनपीए में कमी दर्ज की गई है। इसके चलते बैंकों का शुद्ध एनपीए जहां विगत वर्ष 183. 87 करोड़ था वह घटकर अब 173.65 करोड़ रह गया है।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि सहकारी बैंकों में बेहतर वित्तीय प्रबंधन के चलते वित्तीय वर्ष 2025-26 में 290 बैंक शाखाएं लाभ की स्थिति में आ गईं है, जिसमें जनपद देहरादून की 21, कोटद्वार 29, चमोली 30, उत्तरकाशी 17, हरिद्वार 22, ऊधमसिंह नगर 32, नैनीताल 36, टिहरी 37, पिथौरागढ़ 26 और अल्मोड़ा की 28 बैंक शाखाओं सहित राज्य सहकारी बैंक की 12 शाखाएं शामिल है। वहीं प्रदेश भी की 41 सहकारी बैंक शाखाएं घाटे में रही।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य एवं जिला सहकारी बैंकों ने बेहतर वित्तीय प्रदर्शन कर अच्छा 269.28 करोड़ का लाभ अर्जित किया है। इसमें देहरादून जनपद में जिला सहकारी बैंकों ने 29.11 करोड़ का सकल लाभ उठाया। इसी प्रकार कोटद्वार में 30 करोड़, चमोली 31.79, उत्तरकाशी 25.12, हरिद्वार 9. 32, ऊधमसिंह नगर 25.24, नैनीताल 22.65, टिहरी 31.12, पिथौरागढ़ 21.65 और अल्मोड़ा में 16.91 करोड़, जबकि राज्य सहकारी बैंकों ने 26.37 करोड़ का सकल लाभ अर्जित किया।

प्रातः से ही सभी थाना क्षेत्रों में चला दून पुलिस का चेकिंग अभियान

संवाददाता

देहरादून। आमजन को सुरक्षा का अहसास कराते हुए प्रातः से सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस का चैकिंग अभियान चलाया गया। आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आमजन की सुरक्षा हेतु सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा रात्रि एवं दिन में लगातार सघन चेकिंग व सत्यापन अभियान चलाते हुए संदिग्धों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसी क्रम में आज प्रातः से ही पुलिस अधीक्षक यातयात के नेतृत्व में सभी थाना क्षेत्रों में गौरा पुलिस तथा यातायात पुलिस की अलग अलग टीमों द्वारा सार्वजनिक स्थानों/ पार्कों के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रातः मॉर्निंग वॉक तथा अपने काम पर जाने वाले व्यक्तियों से पुलिस टीमों द्वारा बातचीत करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि पुलिस सदैव उनकी सुरक्षा एवं सहायता हेतु उपलब्ध है। इस दौरान अनावश्यक एवं संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों से आवश्यक पूछताछ की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर दून पुलिस द्वारा दिन - रात लगातार सम्पूर्ण जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है

केदारनाथ यात्राः पुलिस ने किया गौरीकुण्ड से केदारनाथ तक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। आगामी 22 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम यात्रा के सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन हेतु रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। एसपी रुद्रप्रयाग नीहारिका तोमर के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग/गुप्तकाशी विकास पुण्डीर के नेतृत्व में 16 सदस्यीय एडवांस पार्टी (अग्रिम दल) को केदारनाथ धाम और सभी पैदल यात्रा पड़ावों के निरीक्षण हेतु रवाना किया था। यह दल अपना तीन दिवसीय सघन निरीक्षण एवं आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने के उपरान्त वापस लौट आया है।

हालांकि इस दल के वापस आने के उपरान्त आज पुनः केदारनाथ धाम में फिर से भारी बर्फबारी शुरू हो गयी है। जिससे प्रशासनिक सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं फिर से थम सी गयी हैं। पुलिस के इस अग्रिम दल ने केदारनाथ धाम सहित यात्रा मार्ग के पैदल पड़ावों पर पुलिस बल के आवास, बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से आंकलन किया गया है। निरीक्षण हेतु गयी टीम ने केदारनाथ, लिंचोली, भीमबली और जंगलचट्टी में पुलिस बल के ठहरने की व्यवस्था तथा उपलब्ध सामग्री के स्टॉक का भौतिक सत्यापन कर साफ-सफाई सुनिश्चित की गयी। इन सभी पड़ावों पर विद्युत आपूर्ति, पेयजल की उपलब्धता और अन्य अनिवार्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। जिन स्थानों पर मरम्मत की आवश्यकता है, उन्हें चिन्हित किया गया है। अग्रिम दल ने संचार तंत्र को और प्रभावी बनाने तथा फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थिति की जांच की। आपात स्थिति से निपटने हेतु एसडीआरएफ तथा आपदा प्रबन्धन दलों हेतु चिन्हित स्थलों का जायजा लिया गया। इस सम्पूर्ण निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों और ऐसे मुद्दे जिन्हें तत्काल ठीक किया जाना अनिवार्य है, उनकी फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है।

भेजी गयी एडवांस पार्टी में पुलिस उपाधीक्षक विकास पुण्डीर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रघुवीर सिंह (चौकी प्रभारी गौरीकुण्ड) अधीनस्थ सिविल पुलिस के स्टाफ सहित, उपनिरीक्षक संचार कपिल नैथानी सहायक स्टाफ सहित, स्टोर मोहर्रिर अपर उपनिरीक्षक बिच्छन सिंह भण्डारी तकनीकी स्टाफ (प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन) फायर सर्विस और एसडीआरएफ के जवानों सहित कुल 16 सदस्य शामिल

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बैंक के 14.91 लाख के लोन की राशि को एक महीने में भुगतान के आदेश

पौड़ी(आरएनएस)। फर्म खोलने के नाम पर कैनरा बैंक श्रीनगर से लिए गए 15 लाख के (सीसीएल) लोन के सापेक्ष फर्म स्वामी को 14.91 लाख की राशि एक महीने के भीतर ब्याज सहित चुकानी होगी। सिविल जज (सी.डि) पौड़ी अमित भट्ट की अदालत ने यह फैसला सुनाया है। मामले के अनुसार बैंक की ओर से दायर वाद में बताया गया कि श्रीनगर निवासी दीपक उनियाल ने अपनी फर्म रूद्रांश ट्रेडर्स के लिए 2014 में बैंक से 15 लाख का कैश क्रेडिट ऋण (सीसीएल) लिया था। इसमें सुशील चंद्र उनियाल को जमानती बनाया गया था। बैंक ने लोन जारी करने के साथ ही ऋण अनुबंध पत्र पर दोनों के हस्ताक्षर करवाए और शर्तें भी बताईं लेकिन फर्म स्वामी ने समय पर किश्तों और ब्याज का भुगतान नहीं किया। खाते में लगातार लापरवाही के चलते 30 दिसंबर 2021 को बैंक ने उसे गैर-निष्पादित परिसंपत्ति यानी एनपीए घोषित कर दिया। बैंक ने कई बार बकाया राशि जमा करने के लिए फर्मस्वामी को नोटिस भेजे बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इस पर बैंक प्रबंधक गौरव कुमार ने जुलाई 2023 में अदालत की शरण ली। बैंक की ओर से बताया गया कि 30 जुलाई 2023 तक फर्म स्वामी पर ब्याज सहित कुल 14,91,316 रुपये का बकाया है।

बंच केबल बिछाने से करंट और चोरी की घटनाओं पर लगेगी रोक

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय के नई टिहरी और बौराड़ी क्षेत्र में ऊर्जा निगम पुरानी हो चुकी खुली तारों को हटाकर उसकी जगह बंच केबल बिछाने में जुटा है। इससे करंट की घटनाएं कम होने के साथ ही बिजली चोरी भी नहीं हो पाएगी। केंद्र सरकार की (आरडीएसएस) रीवीमैपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (पुनर्निर्मित वितरण क्षेत्र योजना) के तहत इन दिनों जिला मुख्यालय में बंच केबल बिछाने के कार्य किया जा रहा है। विभाग ने अब तक नई टिहरी बाजार, सी ब्लॉक, ई, एफ, एच, जी ब्लॉक सहित बौराड़ी के विभिन्न सेक्टरों और ब्लॉकों में पुरानी हो चुकी खुली बिजली के तारों हटाकर नई बंच केबल बिछाने के काम कर दिया है। विभागीय कर्मचारियों ने बताया कि क्षेत्र में अब तक करीब 25 किमी से अधिक बंच केबल बिछाई जा चुकी है। सबसे पहले नगर के उन क्षेत्रों में बंच केवल बिछाने का काम किया गया जहां पर तारे लोगों के घरों के पास से गुजर रही थी। बर्फबारी और आंधी-तूफान में तारों के आपस में टकराने से शॉर्ट सर्किट होने से तारों के टूटने के साथ करंट का खतरा बना रहता है। नई बंच केबल बिछाने के बाद बिजली कम प्रभावित होगी। वहीं रख-रखाव में खर्चा भी कम होगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्य बहिष्कार शुरू

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। मानदेय में वृद्धि, समान कार्य के लिए समान वेतन, राज्य कर्मचारी घोषित करने समेत कई मांगों पर कार्रवाई न होने से नाराज आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने संपूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। इसके बाद उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारी को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी होतीं तब तक केंद्रों में तालाबंदी की जाएगी और कोई कार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य कमेटी के निर्णय के पर 14 मार्च को राज्य स्तरीय रैली में मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया था लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उस दौरान पुलिस ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जिससे उनमें आक्रोश बना है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पहले ही उन्होंने लेकिन उपस्थिति दर्ज करने और पोषण ट्रैकर तक सीमित रहने का निर्णय लिया था लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। ऐसे में अब संगठन ने पूर्ण कार्य बहिष्कार और केंद्रों में तालाबंदी का निर्णय लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, तब तक कोई भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केंद्रों में कार्य नहीं करेगी। इस दौरान सुशीला शाह, अनीता देवी, सुनीता भट्ट, सीमा नेगी, संतोषी और कल्पेश्वरी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिगोठी गांव में शराब परोसने पर लगेगा अर्थदंड

नई टिहरी(आरएनएस)। दिगोठी गांव के ग्रामीणों ने बैठक कर गांव में सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है। बैठक में सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने वाले परिवार पर 11 हजार रुपये का अर्थदंड लगाने का भी निर्णय लिया गया। इस दौरान ग्राम समाज सुधार समिति का गठन किया गया। दिगोठी गांव की प्रधान सोनम नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने शादी-विवाह सहित सामाजिक कार्यक्रमों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि गांव की असली पहचान उसके संस्कार और सामाजिक एकता से होती है। नशामुक्त समाज बनाकर ही हम अपने बच्चों को सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं। शराब नहीं संस्कार मुहिम के संयोजक सुशील बहुगुणा ने इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि जब गांव स्वयं सामाजिक बुराइयों के खिलाफ खड़ा होता है तब परिवर्तन स्थायी बनता है। ग्राम समाज सुधार समिति में कमल सिंह अध्यक्ष, मकानी देवी उपाध्यक्ष, मदन नेगी सचिव, गीता नेगी सहसचिव, दिनेश नेगी कोषाध्यक्ष, भगवान नेगी, आकाश नेगी, सरोजनी देवी, धूम सिंह नेगी, आषाढ़ सिंह और निर्मला देवी को सदस्य मनोनीत किया गया।

किसी छात्र को शून्य तो किसी को दो नंबर दिए

चमोली(आरएनएस)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पोखरी में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आक्रोश जताया। उन्होंने कहा बीएससी प्रथम सेमेस्टर में किसी छात्र को शून्य तो किसी को एक या दो नंबर दिए हैं। उन्होंने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर 15 दिन में गड़बड़ी ठीक नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। अखिल भारतीय विद्यार्थी के जिला संयोजक सौरभ बर्त्वाल के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य डॉ. रीटा शर्मा से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की ओर से जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान और वनस्पति विज्ञान जैसे विषयों के परीक्षा परिणाम में भारी गड़बड़ी की गई है। कई छात्रों को शून्य अंक हैं तो किसी को एक या दो अंक दिए गए हैं। इस तरह की अनियमितताएं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। उन्होंने कहा कि 15 दिन में इस गड़बड़ी को ठीक किया जाए अन्यथा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान छात्र हिमांशु रावत, कामनी, योगिता आदि मौजूद रहे। वहीं प्राचार्य ने बताया कि छात्रों का ज्ञापन श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति व परीक्षा नियंत्रक को भेज दिया गया है।

छात्रों ने फूंका पुतला, प्रदर्शन किया

कर्णप्रयाग/गैरसैंण। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राजकीय महाविद्यालय गैरसैंण में बीए, बीएससी के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में कई छात्र-छात्राओं को अनुत्तीर्ण किया गया है। इससे गुस्साए छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के मुख्य गेट पर श्री देव सुमन परीक्षा नियंत्रक का पुतला फूंका और प्रदर्शन किया। छात्र संघ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों की ओर से जारी किए गए परिणाम में 70 प्रतिशत से अधिक छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण किए गए हैं। छात्र नेता अंशुल रावत ने कहा यदि जल्द विश्वविद्यालयों की ओर से कॉपियों को फिर से नहीं जांचा गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। वहीं गैरसैंण महाविद्यालय में छात्र संघ अध्यक्ष बदरी प्रकाश ने विश्वविद्यालय प्रशासन से दो दिनों में सभी त्रुटियों का समाधान करने के लिए कहा। इस मौके पर छात्र नेता आशीष बुटोला, भूवन सिरस्वाल, सौरभ रावत, यश खंडूड़ी, अंकित सिंह, चांदनी और आंचल आदि मौजूद रहे।

प्रभावितों ने रोका परियोजना का काम, सीआईएसएफ के जवानों के साथ नोकझोंक

चमोली(आरएनएस)। एनटीपीसी की 520 मेगावाट की तपोवन-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों ने मांगों को लेकर परियोजना का कार्य रुकवा दिया और प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान उनकी सीआईएसएफ के जवानों के साथ नोकझोंक भी हुई। बाद में ग्रामीण दूसरी जगह पर पहुंचे और सभी जगहों का काम रुकवा दिया।

ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों की मंगलवार को एनटीपीसी कंपनी के अधिकारियों के साथ वार्ता विफल रही थी। इसके बाद ग्रामीण बुधवार से आंदोलन कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने तपोवन, सेलंग व अणीमठ की तरफ धरना दिया। सेलंग साइट में ग्रामीण काम रुकवाने के लिए पहुंचे और गेट के अंदर जाने लगे तो सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान उनकी गेट पर तीखी नोकझोंक हुई और उसके बाद ग्रामीणों ने परियोजना के टीवीएम व टरबाइन साइड पर पहुंचकर कार्य रुकवा दिया। उसके बाद तपोवन से बैराज साइड जाने वाले मार्ग पर धरना दिया। प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष मोहन बजवाल ने बताया कि कंपनी के सभी कार्यों को रोक दिया गया है जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जातीं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। परियोजना प्रभावित ग्रामीण रोजगार, चारापत्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी लगातार उनकी मांग को अनसुना कर रही है। धरना देने वालों में अजीतपाल रावत, लक्ष्मण सिंह, भालचंद्र चमोला, हरीश कैरणी, महेंद्र रावत, वर्षा बिष्ट, सरिता फरस्वाण, शांति देवी, भवानी देवी, आशा देवी, सीता देवी, पार्वती देवी, विजया देवी, लक्ष्मी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भनेरपाणी में हाईवे सुधारीकरण कार्य से लग रहा जाम

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ हाईवे पर इन दिनों जगह-जगह सुधारीकरण कार्य चल रहे हैं। मगर भनेरपाणी में चट्टानी भाग पर हाईवे चौड़ीकरण कार्य के कारण बार-बार जाम लग रहा है। ऐसे में हाईवे पर एक से डेढ़ घंटे तक सवारियों को वाहनों में बैठकर ही हाईवे खुलने का इंतजार करना पड़ रहा है। भनेरपाणी में चट्टानी भाग पर पिछले दो साल से बरसात में भूस्खलन शुरू हो जाता है जिसका इन दिनों ट्रीटमेंट किया जा रहा है। यहां जेसीबी से हाईवे से पत्थरों को हटाया जा रहा है।वहीं एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि चारधाम यात्रा से पूर्व हाईवे को दुरुस्त किया जाना है।

केंद्र और राज्य की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

नई टिहरी(आरएनएस)। भाजपा महिला मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां पर जोर दिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का जन-जन पहुंचाने को कहा गया। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट और अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनीस गौड़ के नई टिहरी पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, महिला मोर्चा की अध्यक्ष इंदू डंगवाल, तौफीक अहमद के साथ कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अनीस गौड़ ने कहा कि कांग्रेस से लेकर अन्य दलों ने अल्पसंख्यक को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया लेकिन भाजपा के सत्ता में आने से सभी वर्गों का विकास और सम्मान हो रहा है। महिला मोर्चा के अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है वह केवल जनता के बीच भ्रम फैलाने के काम में लगी है। उन्होंने सरकार की ओर से महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। सरकार ने महिलाओं को पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। केंद्र सरकार नारी वंदन बिल पास पर लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की तैयारी में है।

बदरीनाथ हाईवे के सुधारीकरण कार्यों में देरी पर डीएम नाराज

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ हाईवे के भूस्खलन व भू-धंसाव क्षेत्रों में सुधारीकरण में हो रही देरी पर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कड़ी नाराजगी जताई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा से पूर्व हर हाल में हाईवे को दुरुस्त किया जाए। साथ ही एडीएम को यात्रा मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकरण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट और वहां मैन पावर व मशीनों से किए जा रहे कार्य की वास्तविक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा मार्ग को लेकर समीक्षा बैठक की। डीएम ने कहा कि यात्रा से पूर्व हाईवे के ट्रीटमेंट, ब्लैकटॉप, प्रोटेक्शन कार्य व स्लोप स्थिरीकरण के कार्य को हर हाल में ठीक कर लिया जाए। कपाट खुलने से पहले सभी सड़कों की स्थिति ठीक कर लें। डीएम ने एनएचआईडीसीएल के परियोजना अधिकारी को कमेड़ा से हेलंग तक तथा बीआरओ के कमान अधिकारी को हेलंग से बदरीनाथ धाम तक और एनएच रुद्रप्रयाग के ईई को चोपता-मंडल हाईवे पर सुधारीकरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मजदूरों और मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि यात्रा से पूर्व सभी कार्य पूरे हो जाएं। वहीं एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने वर्चुअली जुड़कर हाईवे की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यात्रा से पूर्व हाईवे पर सुधारात्मक कार्य पूर्ण होना जरूरी है ताकि यात्रियों को जाम जैसी समस्या से न जूझना पड़े। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, लोनिवि के ईई नवीन ध्यानी, ईई एनएच रुद्रप्रयाग ओंकार पांडेय के अलावा एनएचआईडीसीएल के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेगनेंट महिलाओं के तनाव लेने का असर गर्भस्थ शिशु पर पड़ता है

हंसना किसी दवा से कम नहीं है, इससे मूड अच्छा होता है। प्रेग्नेंसी में हंसने से स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। प्रेगनेंट महिलाओं के तनाव लेने का असर गर्भस्थ शिशु पर पड़ता है, इसलिए इस दौरान महिलाओं को खुश रहने और खूब हंसने के लिए कहा जाता है ताकि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ रहें।

हंसने से न केवल आपको खुशी मिलती है बल्कि इससे गर्भस्थ शिशु के विकास में भी मदद मिलती है। प्रेग्नेंसी में हंसने के कई फायदे होते हैं जिनके बारे में आज हम आपको यहां बताने जा रहे हैं।

गर्भावस्था में हंसने का फायदा : प्रेग्नेंसी हार्मोंस के कारण प्रेगनेंट महिला को अचानक दुख और डिप्रेशन महसूस हो सकता है। प्रेग्नेंसी में दवाओं का सेवन कम से कम करना चाहिए। इसकी बजाय आप कॉमेडी और मजाकिया शोज देखकर या चुटकुले सुनकर हंस सकती हैं। इससे मूड भी ठीक रहता है और धीरे-धीरे डिप्रेशन के लक्षणों में भी कमी आती है।

शिशु के विकास में मदद मिलती है : जब भी आप अल्ट्रासाउंड के लिए जाती हैं तो जरा हंसकर देखें कि आपका शिशु कैसी प्रतिक्रिया देता है। जब मां प्रेग्नेंसी में खुश और उत्साह से परिपूर्ण रहती है तो बच्चा ज्यादा एक्टिव रहता है और उसका विकास भी बेहतर होता है।

प्रीमैच्योर लेबर का खतरा : ऐसे कई कारक हैं जो प्रीमैच्योर डिलीवरी का कारण बनते हैं और जब मां की इम्युनिटी कमजोर हो तो इसका खतरा और बढ़ जाता है। इम्युनिटी कमजोर होने पर वायरस, बैक्टीरिया आदि आसानी से प्रभावित करते हैं और इसका बुरा असर मां एवं बच्चे दोनों पर पड़ता है।

इंफेक्शन से मां से ज्यादा शिशु को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। इसकी वजह से बच्चे का नौ महीने से पहले जन्म या कोई जन्म विकार हो सकता है।

मस्तिष्क का विकास : अगर आप इंटेलेजेंट बच्चा चाहती हैं तो प्रेग्नेंसी में वो सब काम करें जिससे शिशु के मस्तिष्क के विकास में मदद कर सके। डायट के अलावा मां का खुश रहना भी शिशु के विकास के लिए जरूरी होता है। इससे गर्भस्थ शिशु के मूवमेंट पर तो असर पड़ता ही है साथ ही दिमाग की कोशिकाओं का भी विकास होता है।

प्रेग्नेंसी दर्द होता है कम : गर्भावस्था में मॉर्निंग सिकनेस, कमर दर्द, ऐंठन, पैरों में सूजन और गर्भावस्था में सिरदर्द होता है। हंसने से आपका ध्यान दर्द से हटता है और शरीर में कुछ ऐसे केमिकल रिलीज होते हैं जो नैचुरल पेन किलर यानी दर्द निवारक का काम करते हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है : प्रेग्नेंसी में हाई ब्लड प्रेशर सबसे ज्यादा खतरनाक होता है और इससे जल्दी प्री-क्लैंप्सिया एवं कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। प्रीमैच्योर डिलीवरी भी हो सकती है या फिर स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर सिजेरियन डिलीवरी करवाने की जरूरत पड़ सकती है। खुश रह कर और रोज हंसने से तनाव में कमी आती है जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में और शरीर स्वस्थ रहता है।

अश्वगंधा आपको रोगों से बचाता है!

अश्वगंधा एक झाड़ीदार पौधा होता है। इसकी जड़ों में बहुत से पौष्टिक तत्व होते हैं। अश्वगंधा के बीज, फल एवं छाल का विभिन्न रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। यह मधुमेह से पीड़ित लोगों में मोतियाबिंद जैसी समस्या पर भी लगाम लगाता है। आइए जाने अश्वगंधा के फायदे:-

कैंसर में फायदेमंद : कैंसर की दवाएं बीमार कोशिकाओं के साथ-साथ सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे अन्य रोगों के बढ़ने की आशंका हो जाती है। लेकिन कैंसर की दवाओं के साथ अश्वगंधा का सेवन करने से अद्भुत फायदा देखा गया है। अश्वगंधा के प्रयोग से केवल कैंसर ग्रस्त कोशिकाएं व न्यूरान्स ही नष्ट हुए, जबकि अन्य कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ।

झुर्रियां गायब होंगी : यदि किसी को चर्म रोग है तो उसके लिए भी अश्वगंधा बहुत लाभकारी है। इसका चूर्ण बनाकर तेल से साथ लगाने से चर्म रोग से निजात पाई जा सकती है। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ अडवांस साइंस ऐंड टेक्नॉलजी के वैज्ञानिकों के अनुसार अश्वगंधा के सेवन से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी बचा जा सकता है।

फोड़े-फुंसी नहीं होंगे : अश्वगंधा की पत्तियां त्वचा रोग, शरीर की सूजन एवं शरीर पर पड़े घाव और जख्म भरने जैसी समस्या में भी बहुत उपयोगी हैं। अश्वगंधा के पौधे को पीसकर लेप बनाकर लगाने से शरीर की सूजन, शरीर की किसी विकृत ग्रंथि और किसी भी तरह के फुंसी-फोड़े में लगाने से आराम मिलता है।

ये भी लाभ : हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ित लोग यदि अश्वगंधा के चूर्ण का दूध के साथ नियमित सेवन करेंगे तो निश्चित तौर पर उनका प्रेशन नॉर्मल हो जाएगा। इसके अलावा शरीर में कमजोरी या दुर्बलता को भी अश्वगंधा तेल से मालिश कर दूर किया जा सकता है। गैस संबंधी समस्या में भी ये पौधा अत्यंत लाभदायक होता है। सांस संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए अश्वगंधा के क्षार को शहद को घी के साथ मिलाकर सेवन करने से बहुत लाभ मिलता है।

आयुर्वेदाचार्य, ए के गर्ग के मुताबिक, अश्वगंधा पौधे की जड़ पौष्टिक होने के साथ ही पाचक अम्ल और प्लेग जैसी महामारियों से निजात दिलाती है। इसके अलावा खांसी, क्षयरोग और गठिया में भी यह लाभदायक है।

दूध के साथ न करें इन चीजों का सेवन, स्वास्थ्य के लिए बन सकती हैं मुसीबत

जब कुछ खाद्य पदार्थों को दूध के साथ मिलाने की बात आती है तो यह विचार करना आवश्यक है कि उनका पाचन और पूरी सेहत पर कैसा प्रभाव पड़ सकता है। दूध एक बहुमुखी और पौष्टिक पेय है, लेकिन कुछ चीजों के साथ इसे मिलाना स्वास्थ्य के लिए मुसीबत बन सकता है। आइए जानते हैं कि आखिर वो कौन-सी चीजें हैं, जिनका सेवन दूध के साथ नहीं करना चाहिए।

दूध और मछली का एकसाथ सेवन करना हो सकता है हानिकारक

दूध और मछली को कभी भी साथ में नहीं खाना चाहिए। इसका कारण है कि मछली की एक अलग गंध और स्वाद होता है, जो आमतौर पर दूध की मलाईदार बनावट के साथ अच्छी तरह से मेल नहीं खाता है। दूध के साथ मछली और किसी भी प्रकार का मांस खाने से पाचन संबंधी समस्याएं और भारीपन महसूस होने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इससे स्किन एलर्जी और त्वचा संबंधित बीमारियां भी हो सकती हैं।

केले और दूध का संयोजन भी है नुकसानदायक

स्मूदी या मिल्कशेक में केले और दूध का एक साथ इस्तेमाल करना आम बात है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह संयोजन पाचन क्रिया पर बुरा असर डाल सकता है। प्रोटीन युक्त दूध के साथ केले की स्टार्ची प्रकृति पाचन संबंधी परेशानी, सूजन और थकान का कारण बन सकती है। ऐसे में दूध और केले का अलग-अलग आनंद लेना सबसे अच्छा है। इसी तरह दूध और खरबूजे का संयोजन भी स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

दूध के साथ दही खाना भी है गलत

दूध के साथ दही का सेवन करना भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दूध के साथ दही का संयोजन एसिडिटी, गैस और उल्टी जैसी समस्या पैदा कर सकता है। इसके अतिरिक्त ब्लोटिंग की भी शिकायत हो सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें पेट के अंदर के ऊतक फूल जाते हैं या बढ़ने लगते हैं। अगर आप इन समस्याओं से सुरक्षित रहना चाहते हैं तो दही खाने के करीब एक घंटे बाद ही दूध पीना चाहिए।

मूली के साथ दूध का सेवन न करें

मूली का तीखा और चटपटा स्वाद दूध के स्वाद पर हावी हो सकता है, जिससे असंतुलित संयोजन बन सकता है। दूध के साथ मूली खाने से स्वाद और पाचन बिगड़ सकता है। पाचन क्रिया में परेशानी से बचने के लिए मूली से बने व्यंजनों को दूध के सेवन से कम से कम 2 घंटे बाद ही खाएं। इसी तरह उड़द की दाल के साथ कभी भी दूध का सेवन नहीं करना चाहिए।

दूध के साथ खट्टे फलों का सेवन पहुंचा सकता है शरीर को नुकसान

किसी भी तरह के खट्टे फल के साथ दूध का सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। दूध पीने के पहले या तुरंत बाद में खट्टे फलों का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप दूध के साथ खट्टे फल खाते हैं तो ये आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस संयोजन की वजह से खाना सही से नहीं पचता और उल्टी की संभावना बनी रहती है क्योंकि दूध और फल, दोनों ही अपनी तासीर में अलग हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

स्पाई थ्रिलर अल्फा 10 जुलाई को थिएटर में दस्तक देगी फिल्म

आलिया भट्ट और शरवरी की आगामी फिल्म अल्फा की नई रिलीज डेट का आखिरकार आ ही गई. इससे इसके सिनेमाघरों में रिलीज होने को लेकर महीनों से चल रही अटकलों का अंत हो गया है. पिछले कुछ महीनों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से बॉक्स ऑफिस पर क्लैश से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित किया जा सकता है. कुछ अफवाहों में यह भी कहा गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होगी और सीधे किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो जाएगी. हालांकि मेकर्स के नए एलान से इसकी पुष्टि हो गई है कि फिल्म सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी. आलिया भट्ट की लंबे समय से अटकी फिल्म अल्फा अब 10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी. यह फिल्म पहले दिसंबर 2025 और फिर अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट तय हो गई है. मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है, जिसमें आलिया भट्ट की एक झलक दिखाई गई, साथ ही फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में आधिकारिक जानकारी भी दी गई, जिसमें शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल शामिल हैं. अल्फा को पहले क्रिसमस 2025 को रिलीज करने की योजना थी. बाद में, मेकर्स ने तारीख बदलकर 17 अप्रैल, 2026 कर दी.

सोहम शाह की तुम्बाड 2 में तहलका मचाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी, हो गया ऐलान

सोहम शाह की आगामी फिल्म तुम्बाड 2 के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पहले खबर आई थी कि फिल्म के दृश्य पैमाने को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय कलाकारों को शामिल करने की योजना बनाई है। अब सोहम ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है जिसके बाद से लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। दरअसल, फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी आधिकारिक तौर पर शामिल हो गए हैं।

तुम्बाड की दुनिया को विस्तृत और दिलचस्प बनाने के लिए निर्माताओं ने यह कदम उठाया है। बताया जाता है कि सीक्वल में नवाजुद्दीन का बहुत महत्वपूर्ण किरदार होने वाला है। इस पर बात करते हुए सोहम ने कहा, नवाज सर को तुम्बाड 2 में लाना हमारे लिए बहुत उत्साहित करने वाली बात है। वो ऐसे अभिनेता हैं जो हर किरदार में गजब की शिद्दत और असलियत लाते हैं। उधर नवाजुद्दीन ने भी तुम्बाड का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। तुम्बाड 2 की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इस बीच, सीक्वल में नवाजुद्दीन के शामिल होने की खबर ने फैंस को काफी उत्साहित कर दिया है। एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, अब होगा मौत का खेल। दूसरे ने लिखा, बाप का...विनायक दादा का...सबका बदला लेगा रे तेरा पांडुरंग। बता दें, फिल्म को तुम्बाड 2 को सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसमें पेन स्टूडियोज की साझेदारी भी शामिल है।

सनी के किरदार में शाहिद कपूर की वापसी, राज एंड डीके संग शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

साल 2023 की सुपरहिट वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर है. एक्टर शाहिद कपूर ने ऑफिशियली फर्जी 2 की शूटिंग शुरू कर दी है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास तस्वीर शेयर कर इस बात की जानकारी दी. इस फोटो में शाहिद कपूर, राज निदिमोरू और कृष्णा डीके यानी राज एंड डीके के साथ नजर आ रहे हैं. जैसे ही यह अपडेट सामने आया, सोशल मीडिया पर सीरीज को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई. शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है, उसमें वह सेट पर राज एंड डीके के साथ दिखाई दे रहे हैं. फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, फर्जी 2 डे 1... बैक एट इट! इसका मतलब हैं कि यह फर्जी 2 की शूटिंग का पहला दिन है. इस पोस्ट के सामने आते ही फैंस में उत्साह बढ़ गया. वहीं सीरीज के मेकर्स राज एंड डीके ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इस प्रोजेक्ट की ओर इशारा किया. उन्होंने करेंसी नोटों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, राउंड 2 इन प्रोग्रेस. इससे साफ हो गया कि फर्जी का दूसरा सीजन अब बनना शुरू हो चुका है. लंबे समय से फैंस इस सीजन का इंतजार कर रहे थे और अब शूटिंग शुरू होने की खबर ने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है. बता दें, फर्जी का पहला सीजन फरवरी 2023 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था. यह एक क्राइम थ्रिलर कहानी थी, जिसमें शाहिद कपूर ने सनी नाम के एक कलाकार का किरदार निभाया था. कहानी में दिखाया गया कि कैसे एक छोटा कलाकार हालात के चलते नकली नोटों के बड़े नेटवर्क में फंस जाता है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

ऑपरेशन सिंदूर को पर्दे पर दिखाएंगे विवेक अग्निहोत्री, भूषण कुमार के साथ मिलाया हाथ

अप्रैल, 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस नापाक हरकत को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे ऑपरेशन सिंदूर का नाम मिला। निर्माता विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार की टी-सीरीज कंपनी इसी पर फिल्म बनाने जा रही है। यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस टाइनी ढिल्लों (सेवानिवृत्त) की किताब ऑपरेशन सिंदूर-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान पर आधारित होगी।

अग्निहोत्री ने बताया कि यह कहानी जरूरी है, और समय की मांग भी है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसी कहानियां बताने में यकीन रखता हूं जो थोड़ी असहज हों, लेकिन जरूरी भी हों। मेरी कोशिश है कि इस कहानी को पूरे सच के साथ दिखाया है, जिसमें बहादुरी, रणनीति और पेशेवर रवैया सब नजर आए, साथ ही यह एक रोमांचक फिल्म बने। फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के जरिए होगा।

अग्निहोत्री ने आगे कहा कि फिल्म का उद्देश्य साहस और व्यावसायिकता की कहानी दिखाना है। उन्होंने कहा, मेरा मकसद शोर मचाना नहीं, बल्कि तथ्यों, स्पष्टता और सिनेमा के जादू से उसका सामना करना है। इससे पहले, उन्होंने बताया था कि वह बड़े राष्ट्रवादी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, लेकिन तब उन्होंने कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया था। बता दें, फिल्म के कलाकारों और रिलीज तारीख को लेकर अभी और जानकारी सामने नहीं आई है।

कांतारा फेम एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा फिल्म उग्रयुद्धम में आएंगी नजर

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है।इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हाल ही में द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

उग्रयुद्धम' के अलावा सप्तमी गौड़ा एक और पीरियड फिल्म हलागली' में भी नजर आएंगी, जिसे सुकेश नायक डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें धनंजय भी उनके साथ हैं। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है।

परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी पर भड़के छात्रों का प्रदर्शन

नई टिहरी(आरएनएस)। श्रीदेव सुमन विवि के अधिकांश परीक्षा परिणामों में विवि स्तर से त्रुटि होने पर छात्र-छात्राओं ने कड़ा आक्रोश जताते हुए विवि मुख्यालय बादशाहीथौल में प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्रों ने विवि प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में परीक्षा नियंत्रक डॉ. स्वाति नेगी ने बीएससी प्रथम और बीए तृतीय सेमेस्टर के एक-एक प्रश्नपत्रों के पुनर्मूल्यांकन का लिखित आश्वासन दिया। तब जाकर छात्रों का गुस्सा शांत हुआ। छात्रों ने श्रीदेव सुमन विवि पहुंचकर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि विवि ने स्नातक प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम जारी किए हैं जिनमें काफी त्रुटियां है। अधिकांश छात्रों को 1-1 अंक दिए हैं। वहीं तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं। स्नातक तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के अतिरिक्त विषय दर्शाए गए हैं। स्नातक बैक पेपर के परिणाम अभी तक जारी नहीं किए हैं। जिससे छात्रों में असंतोष बना हुआ है। उन्होंने विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कहा कि हर साल परिणाम सहित अन्य खामियां बढ़ती जा रही है। ऐसे में समस्याओं को देखते हुए सभी विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं की रैंडम रीचेकिंग (पुनर्मूल्यांकन) किया जाए जिस पर विवि की परीक्षा नियंत्रक डॉ. स्वाति नेगी ने बीएससी प्रथम और बीए तृतीय सेमेस्टर के एक-एक प्रश्न पत्रों के पुनर्मूल्यांकन का लिखित आश्वासन दिया है। प्रदर्शनकारियों में दिव्यांशु रावत, प्रदीप रावत, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष शंकर नेगी, प्रदीप प्रसाद, आयुषी थपलियाल, स्नेहा, खुशबू, काजल, प्रियांशी राणा, अजीत, प्रवीण, आयुष, साहिल, आयुष्मान, अंशुमान, आयशा, प्रियंका, रितिका, शालिनी, कार्तिक, हरिओम आदि शामिल रहे।

फायर सुरक्षा अभियान के तहत गैस एजेंसियों व संस्थानों का निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिले में अग्नि सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से फायर सर्विस और पुलिस द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान अल्मोड़ा और रानीखेत क्षेत्र में गैस एजेंसियों सहित विभिन्न संस्थानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। अल्मोड़ा में मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर के नेतृत्व में धारानौला, विश्वनाथ और ताकुला स्थित गैस एजेंसियों का फायर रिस्क निरीक्षण किया गया। साथ ही बसोली स्थित महिंद्रा क्लब और सिरकोट के जिनोंक होमस्टे का फायर ऑडिट भी किया गया। रानीखेत क्षेत्र में द्वाराहाट और चौखुटिया की गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्थानों में लगे अग्निशमन उपकरणों की जांच की गई, जो कार्यशील पाए गए। आपातकालीन स्थिति में उपयोग होने वाले प्रवेश और निकास मार्गों को सुरक्षित और अवरोध मुक्त पाया गया। कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और आग लगने की स्थिति में तत्काल की जाने वाली कार्रवाई के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने संस्थानों के संचालकों को निर्देशित किया कि सभी अग्निशमन उपकरणों को हमेशा कार्यशील स्थिति में रखें और आपातकालीन मार्गों को बाधा रहित बनाए रखें। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जनपद में अग्नि सुरक्षा को सुदृढ़ करना और लोगों को जागरूक करना है।

सू- दोकू क्र.090

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर ब्लॉक अध्यक्षों ने जताई आपत्ति

अल्मोड़ा(आरएनएस)। प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर जनपद के विभिन्न विकासखंडों के ब्लॉक अध्यक्षों ने आपत्ति जताई है। हवालबाग, द्वाराहाट, चौखुटिया और सोमेश्वर के प्रधान संगठन अध्यक्षों ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित चुनाव प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक बताया है। ब्लॉक अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से जारी बयान में कहा कि बिना उन्हें पूर्व सूचना दिए चुनाव कराना न केवल अनुचित है, बल्कि संगठनात्मक प्रक्रिया के भी विपरीत है। प्रधान संगठन हवालबाग के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नयाल ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष के चुनाव के लिए सभी विकासखंडों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों को पूर्व सूचना देना तथा कोरम का पूरा होना अनिवार्य होता है। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना चुनाव कराना हार के भय को दर्शाता है और यह स्वयंभू तरीके से जिलाध्यक्ष बनने जैसा प्रतीत होता है। चुनाव की एक स्पष्ट प्रक्रिया होती है, जिसके तहत पूर्व बैठक कर रूपरेखा तय की जाती है और सभी संबंधित पदाधिकारियों को समय से सूचना दी जाती है। देवेंद्र सिंह नयाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस चुनाव को निरस्त कर सभी प्रधान संगठनों को विश्वास में लेकर पुनः निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चुनाव नहीं कराया गया, तो जिन संगठनों को सूचना नहीं दी गई वे अलग संगठन बनाने को बाध्य होंगे, जिससे जनपद में विभाजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रधान संगठन द्वाराहाट के अध्यक्ष किशन कुवार्बी ने कहा कि चुनाव कराए जाने से पूर्व सभी ब्लॉक अध्यक्षों को विश्वास में लेना आवश्यक था और इस प्रकार की प्रक्रिया को उन्होंने अनैतिक बताया। वहीं चौखुटिया के अध्यक्ष भूपेंद्र बोरा ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी गई, जो पूरी तरह अनुचित है। प्रधान संगठन सोमेश्वर के अध्यक्ष उमेश मेहरा ने कहा कि चुनाव एक सामूहिक और पारदर्शी प्रक्रिया होती है, जिसमें सभी संबंधित प्रतिनिधियों की भागीदारी आवश्यक है। बिना सभी को विश्वास में लिए आयोजित प्रक्रिया को चुनाव नहीं माना जा सकता। सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने एक स्वर में इस एकतरफा चुनाव प्रक्रिया का विरोध करते हुए इसे संगठन की एकता और पारदर्शिता के लिए हानिकारक बताया है।

सार्वजनिक आयोजनों पर भी दी दिखने लगा गैस किल्लत का असर

विकासनगर(आरएनएस)। ईरान, इजराइल और अमेरिका युद्ध के कारण विगत कई दिनों से पछुवादून में चल रही गैस किल्लत का असर अब और गहराने लगा है। घरों के साथ ही सार्वजनिक आयोजनों पर भी गैस किल्लत का असर दिख रहा है। हनुमान जयंती पर विभिन्न मंदिरों में हुए भंडारों पर इसका असर साफ देखा गया। अक्सर हर भंडारे में कढ़ी,चावल के साथ पूरी और आलू की सब्जी परोसी जाती थी। लेकिन इस बार अधिकतर भंडारों में कढ़ी-चावल ही श्रद्धालुओं का परोसा गया। साथ ही सभी जगह भंडारे का खाना गैस चूल्हों की जगह लकड़ी में पकाया गया। युद्ध का असर अब धीरे-धीरे और गहराने लगा है। खासकर कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने के कारण सार्वजनिक आयोजनों, भंडारों के साथ ही होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों पर इसका बड़ा असर देखा जा रहा है। कई होटल, ढाबे और खोखे, बंद हो चुके हैं। जबकि इनसे अपनी आजीविका चलाने वाले लोगों ने दूसरा धंधा शुरू कर दिया है। जो व्यक्ति दाल, चावल के साथ चाय का भी धंधा करता था। वह चाय बनाने तक सिमट गया है। जिस ढाबे पर कढ़ी, चावल, पराठे, रोटी, सब्जी मिलती थी, वहां गैस किल्लत के कारण केवल कढ़ी, दाल चावल ही मिल रहे हैं।

बीआरओ की लचर कार्यप्रणाली पर नाराज हुए एसडीएम

चमोली(आरएनएस)। उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने ज्योतिर्मठ से बदरीनाथ धाम तक हाईवे का निरीक्षण किया। ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी तक कई जगह हाईवे की स्थिति ठीक नहीं मिली। यहां हाईवे के संरक्षण का जिम्मा बीआरओ के पास है। एसडीएम ने बीआरओ की लचर कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई और चारधाम यात्रा से पूर्व हाईवे को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के कार्यों से जो अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं उन्हें भी यात्रा से पहले दुरुस्त करें। ज्योतिर्मठ के जीरो बैंड के पास हाईवे की स्थिति पिछले एक साल से सुधारी नहीं गई है। विगत वर्ष यहां तीर्थयात्रियों के वाहन पत्थरों में फंसते रहे। अभी तक भी यहां हाईवे का सुधारीकरण कार्य नहीं किया गया है। एसडीएम ने जीरो बैंड के पास हाईवे सुधारने के लिए कहा। उन्होंने बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान से मंदिर जाने वाला पैदल मार्ग को भी समय पर सुधारने के लिए कहा।

यात्रा मार्ग पर 15 अप्रैल तक तैनात करें जेसीबी : डीएम

पौड़ी(आरएनएस)। डीएम ने चारधाम यात्रा की तैयारियों के संबंध में विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। उन्होंने विभागों को शीघ्र ही ड्यूटी रोस्टर जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षाकाल के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी मशीनें 15 अप्रैल तक तैनात करने के भी निर्देश दिए। पुलिस विभाग को पर्याप्त फोर्स तैनात करने व जाम से निपटने के लिए पहले से ही प्लान तैयार करने को कहा। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम स्वाति एस भदौरिया ने यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य, जल, लोनिवि, उरेडा, पर्यटन, खाद्य आदि विभागों की समीक्षा बैठक ली। डीएम ने लक्ष्मणझूला, कलियासौड़, भट्टीसेरा व नीलकंठ क्षेत्र में चिकित्सा राहत इकाइयों की स्थापना और संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन क्षेत्रों में रोस्टरवार चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती, पर्याप्त एंबुलेंस व्यवस्था व आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने को कहा। साथ ही लोनिवि को आगामी वर्षाकाल के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी मशीनें 15 अप्रैल तक तैनात करने के भी निर्देश दिए। जनपद से जुड़े विभिन्न वैकल्पिक मार्गों का निरीक्षण कर शीघ्र सुधारीकरण करने को कहा।

कैंपस कॉलेज के प्रशासनिक भवन में जड़ा ताला

ऋषिकेश(आरएनएस)। परीक्षा परिणाम में त्रुटियों को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ता भड़क गए। नाराज कार्यकर्ताओं ने श्रीदेव सुमन विवि ऋषिकेश कैंपस कॉलेज में प्रदर्शन किया और प्रशासनिक भवन में ताला जड़कर धरने पर बैठ गए।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव समेत पांच छात्रों को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें आईडीपीएल चौकी लेकर छोड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने प्रशासनिक भवन का ताला खुलवाया। छात्रसंघ महासचिव अभिषेक कुमार त्रिसूलिया ने कहा कि विवि ने स्नातक प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम जारी किए हैं, जिनमें काफी त्रुटियां हैं। अधिकांश छात्रों को बेहद कम अंक दिए गए हैं। वहीं, तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं।

स्नातक तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के अतिरिक्त विषय दर्शाए हैं। स्नातक बैक पेपर के परिणाम अभी तक जारी नहीं किए हैं, जिससे छात्रों में काफी असंतोष बना हुआ है। उपाध्यक्ष आयुष तड़ियाल ने विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। पूर्व अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने कहा कि इतने साल बाद भी विवि की कार्य पद्धति नहीं सुधरी है। हर वर्ष परिणाम सहित अन्य खामियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में उक्त समस्याओं को देखते हुए सभी विषयों की कॉपियों की रैंडम रीचेकिंग की जाए। छात्र नेता मानव रावत ने कहा कि शीघ्र विवि प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है, तो कैंपस में संपूर्ण तालाबंदी के लिए वह मजबूर होंगे। आईडीपीएल पुलिस चौकी के एसआई निखिलेश बिष्ट ने बताया कि छात्रों को समझाने-बुझाने के लिए हिरासत में लिया गया था।

प्रदर्शनकारियों में मानसी सती, रहन बंदोलिया, आर्यन भारती, गौरव जोशी, सुहानी, सृष्टि, शिवानी, इशांत, दीपक साहनी, अतुल, सुंदर, अखिल गुलियाल, आशीष, भव्या, अक्षय कुमार आदि छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

गैस व खाद्य आपूर्ति को लेकर कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। गैस व खाद्य आपूर्ति को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला आपूर्ति कार्यालय पर धरना दिया।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस प्रदेश महासचिव विनोद सिंह चौहान के नेतृत्व में जिला आपूर्ति कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने गैस व खाद्य आपूर्ति को लेकर धरना दिया। इस अवसर पर उनका कहना था कि वर्तमान में गैस व खाद्य आपूर्ति व्यवस्था से संबंधित कई गम्भीर समस्याएं आम जनता को प्रभावित कर रही है। विशेषकर विवाह सीजन के दौरान गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत एवं कालाबाजारी के कारण आम नागरिकों को अत्यधिक आर्थिक बोझ उठाना पड रहा है। साथ ही गैस वितरण में लागू शहरी क्षेत्र में 25 दिन एवं ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन की बाध्यता के कारण भी आम जनता को समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी चरम पर है, जहां एक घरेलु सिलेंडर एवं व्यवसायिक सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है इस पर तत्काल सख्त कार्रवाही की जाये। उन्होंने कहा कि विवाह एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने हेतु पारदर्शी व्यवस्था बनायी जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राशन की दुकान पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाये कि सफेद व पीले राशन कार्ड पर कितना राशन निर्धारित है। सफेद राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया लगभग 2 वर्षो से बन्द है, इसे शीघ्र पुनः प्रारम्भ किया जाये इसके साथ ही राशन की दुकानों का संचालन समय सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाये।

प्रदर्शन करने वालो में आयुष गुप्ता, अर्जुन सोनकर, अनूप कपूर, संजय मौर्य, राहुल शर्मा, अर्पण सेलाल, आशीष गुसांई, अनिल उनियाल, सुबोध, जगदीश धीमान, प्रमोद शर्मा, सुनील, मोहन रावत, सतेन्द्र, सुनील बांगा, कैलाश अग्रवाल, विजय गुप्ता आदि शामिल रहे।

जोहड़ीगांव जंगल मिटाने की तैयारी!

पृष्ठ 1 का शेष

अब सुर्खियों में है। प्रमुख मीडिया संस्थानों के साथ सोशल मीडिया व नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं तथा इस पर तमाम सवाल पूछे जा रहे हैं। इतना सब हो गया या हो रहा था जंगलात विभाग के अधिकारी अब तक कहां सोए थे? यह पहला सवाल है?

संरक्षित वन क्षेत्र से सैकड़ो पेड़ों का कटान जिनकी संख्या 3-4 सौ बताई जा रही है की अनुमति किसने दी? तथा बिजली की लाइन बिछाने को एनओसी कहां से मिली? ऐसे अनेक सवाल है। क्या यह पूरा खेल शासन-प्रशासन की मिली भगत से चल रहा था? जाखन के जंगलों को खोखला बनाने का काम कौन कर रहा है? इसके अलावा सबसे अहम सवाल यह है कि क्या वन विभाग की मुकदमे की कार्रवाई के बाद यह खेल रोका जाएगा? इन सवालों के ठोस जवाब मिलने तक पर्यावरण की सुरक्षा के लिए लड़ने वालों की लड़ाई भी जारी रहेगी। क्योंकि अब क्षेत्र की जनता भी इसके खिलाफ सड़कों पर आ चुकी है।

केदारनाथ यात्राः पुलिस ने...

पृष्ठ 2 का शेष

थे। टीम ने 1 अप्रैल को केदारनाथ के लिए प्रस्थान करते हुए सम्पूर्ण केदारपुरी सहित वापसी में सभी पैदल पड़ावों का निरीक्षण व व्यवस्थाओं को दुरूस्त कर गत दिवस देर रात्रि को जनपद मुख्यालय लौटी है।

पुलिस उपाधीक्षक विकास पुण्डीर ने कहा है कि हमारा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब आगामी दिवसों में यात्रा ड्यूटियों के निर्वहन हेतु पुलिस बल अपनी तैनाती पर पहुंचे, तो उन्हें बुनियादी सुविधायें पहले से ही दुरुस्त मिले। साथ ही, यात्रियों की सुरक्षा के लिए संचार और फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। हमारे द्वारा किये गये इस निरीक्षण की रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक महोदय को सौंपी जा रही है, ताकि यात्रा शुरू होने से पूर्व सभी कमियों को दूर किया जा सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया दून बुक फेस्टिवल-2026 का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित "दून बुक फेस्टिवल-2026" का विधिवत शुभारंभ किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित "दून बुक फेस्टिवल-2026" का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकाशकों द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन और गढ़वाली एवं कुमाऊंनी पुस्तकों का विमोचन भी किया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने देशभर से आए साहित्यकारों, कलाकारों एवं साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह महोत्सव साहित्य, संस्कृति और कला का अद्भुत संगम है, जो समाज में ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान को नई दिशा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस 9 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न सत्रों, संवाद कार्यक्रमों, पुस्तक परिचर्चाओं तथा "लेखक से मिलिए" जैसे आयोजनों के माध्यम से साहित्यिक विमर्श को समृद्ध किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के लिए स्थापित "चिल्ड्रेन पवेलियन" को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी में पठन-पाठन की रुचि विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने

उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि की इस पावन भूमि ने अनेक महान साहित्यकारों को जन्म दिया है और यह प्रदेश सदैव ज्ञान, संस्कृति एवं सृजन का केंद्र रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। "उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान", "साहित्य भूषण" तथा अन्य पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है, साथ ही विभिन्न भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन हेतु अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में साहित्य ग्रामों की स्थापना की जा रही है, जिससे साहित्यकारों को सृजन के लिए अनुकूल वातावरण मिल सकेगा तथा उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुस्तकें केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान का स्थायी स्रोत हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को दिशा प्रदान करती हैं।

उन्होंने सभी नागरिकों से से अपील की कि वे विभिन्न अवसरों पर उपहार स्वरूप पुस्तकों एवं पौधों को प्रोत्साहित करें, जिससे समाज में ज्ञान और पर्यावरण दोनों के प्रति जागरूकता बढ़े। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, आचार्य बालकृष्ण, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिन्द मराठी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक, देवभूमि उत्तराखण्ड युनवर्सिटी के उपाध्यक्ष अमन बंसल मौजूद थे।

केदारनाथ में बर्फबारी, यात्रा तैयारियां प्रभावित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। केदारनाथ धाम में बीती रात से लगातार बर्फबारी से पूरे क्षेत्र में फिर से बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। बर्फबारी से यात्रा तैयारियों के कार्य प्रभावित हो गए हैं।

केदारनाथ में बर्फबारी से 22 अप्रैल को प्रस्तावित कपाट खुलने की तिथि को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। धाम में बीती शाम से ही बर्फबारी जारी है, जिन स्थानों से बर्फ हटाई गई थी, वहां फिर से बर्फ जम गईई है, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। लगातार बर्फबारी के चलते यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से तैयार करने में कठिनाई आ रही है।

बस की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। बस की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवाबवाला निवासी विरेन्द्र प्रसाद बलोदी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र आशुतोष अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहा था जब वह छिददरवाला चौक पर पहुंचा तभी पीछे से आ रही बस ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसके पुत्र की मृत्यु हो गयी।

बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखण्ड राज्य के जनपद उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने, ओलावृष्टि और झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है। जनपदों के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि अन्य जनपदों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मौसम विभाग द्वारा जारी एलर्ट के दृदृष्टिगत राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र देहरादून द्वारा संबंधित जनपदों को सावधानी बरतने के लिए पत्र जारी किया गया है। पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि मौसम की स्थिति को देखते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में ट्रैकिंग गतिविधियों को प्रतिकूल मौसम के दौरान प्रतिबंधित/नियंत्रित रखा जाए।

इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में आवागमन को नियंत्रित करते हुए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता बनाए रखी जाए और किसी भी आपदा/दुर्घटना की स्थिति में त्वरित स्थानीय कार्यवाई के साथ सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही मोटर मार्ग बाधित होने की स्थिति में तत्काल बहाली सुनिश्चित करने, राजस्व उपनिरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों की क्षेत्र में सक्रिय उपस्थिति बनाए रखने और सभी चौकियों/थानों में

❑मौसम विभाग ने गरज-चमक संग आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई, कई जनपदों में ओलावृष्टि और झोंकेदार हवाएं चलने का भी अंदेशा जताया

आपदा प्रबंधन संबंधी उपकरण एवं वायरलेस प्रणाली के साथ हाई अलर्ट बनाए रखने को कहा गया है। इस अवधि में किसी भी अधिकारी/कर्मचारी के मोबाइल/फोन स्विच आफ न रहने, अधिकारियों द्वारा आवश्यक उपकरण जैसे बरसाती, छाता, टार्च, हेलमेट आदि अपने स्तर पर उपलब्ध रखने और संभावित स्थिति में लोगों के फंसने पर खाद्य सामग्री एवं चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है।

पत्र में यह भी अपेक्षा की गई है कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक सावधानी बरती जाए, असामान्य मौसम एवं भारी वर्षा की चेतावनी के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन को नियंत्रित किया जाए। इसके साथ ही नगर व कस्बाई क्षेत्रों में नालियों एवं कल्वर्ट के अवरोधों को हटाकर जल निकासी व्यवस्था सुचारू रखी जाए। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने आम जनमानस से मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लेने, सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सरकार ने खोली दायित्वों की 'पोटली'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में सरकार पार्टी के कार्यकर्ताओं को नाखुश नहीं करना चाहती है। इसके साथ ही चुनावी साल में टिकटों को लेकर कार्यकर्ताओं के 'असंतुष्ट' होने के खेल पर भी चुनाव से पहले विराम लगाना चाहती है। इसीलिए उत्तराखंड में धामी सरकार ने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए दायित्वों की 'पोटली' खोली है। सरकार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को विभिन्न विभागों का दायित्व देकर जिम्मेदारियां सौंपी है।

बता दें कि उत्तराखंड में कैबिनेट विस्तार के बाद सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को तोहफा दिया है। सरकार ने प्रदेश के विभिन्न बोर्ड, परिषदों और समितियों में पार्टी कार्यकर्ताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी है। सरकार ने कार्यकर्ताओं को अलग-अलग संस्थाओं में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर बैठाया है। सरकार ने विभिन्न आयोगों, परिषदों और समितियों में 14 लोगों को नियुक्त किया है। गृह एवं गोपन सचिव शैलेश बगौली की ओर से इस बाबत आदेश जारी किए गए हैं।

- ●धामी सरकार ने कई पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया तोहफा
- ●14 वरिष्ठ नेताओं को दी गई जिम्मेदारी, आदेश जारी
- ●कुलदीप सुटोला राज्य स्तरीय खेल परिषद में अध्यक्ष बने
- ●ध्रुव रौतेला को बनाया मीडिया सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष

आदेश के अनुसार देहरादून से कुलदीप सुटोला को राज्य स्तरीय खेल परिषद में अध्यक्ष, नैनीताल से ध्रुव रौतेला को मीडिया सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष, चंपावत से हरिप्रिया जोशी को राज्य महिला आयोग में, टिहरी से विनोद सुयाल को राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद में, चंपावत से मुकेश महराना को चाय विकास सलाहकार परिषद, देहरादून से चारु कोठारी को राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद में, चमोली से प्रेम सिंह राणा को जनजाति आयोग में, टिहरी से खेम सिंह चौहान को ओबीसी आयोग कल्याण परिषद में, टिहरी से ही सोना सजवाण को जड़ी-बूटी सलाहकार समिति में, अल्मोड़ा से गोविंद पिलखवाल को हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषाद में, देहरादून से बलजीत सोनी को अल्पसंख्यक आयोग, काशीपुर की सीमा चौहान को मत्स्य विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष, वरिष्ठ भाजपा नेता भावना मेहरा और अशोक वर्मा को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह कदम पार्टी संगठन और सरकार के बीच संतुलन बनाए रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सरकार और संगठन कोई भी चूक नहीं चाहती है। वैसे भी सरकार और संगठन के जुड़ेह लोगों में मनमुटाव की खबरें प्रतिदिन सामने आ रही है। सरकार और संगठन यह चाहती है कि चुनाव से पूर्व सब मैनेज हो जाए, ताकि चुनाव के समय जनता के बीच यह संदेश न जाए कि सरकार से लोग नाराज है।

चूना भट्टा क्षेत्र में अज्ञात शव मिलने से फैली सनसनी

हमारे संवाददाता

देहरादून। रायपुर क्षेत्रांर्तगत चूना भट्टा क्षेत्र में आज और अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इससे पूर्व चूना भट्टा क्षेत्र के ही एक खण्डरनुमा मकान से एक नशेड़ी महिला का शव मिला था।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एक व्यक्ति ने क्षेत्र में पड़े शव को देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही रायपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी। चूना भट्टा क्षेत्र में सुबह-शाम काफी आवाजाही रहती है इसलिए इस घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। आसपास के घरों और

दुकानों के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि कोई सुराग मिल सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जांच में लगी पुलिस टीम को निर्देश दिया है कि हर एंगल से जांच की जाए। मर्डर, आत्महत्या या किसी अन्य कारण की आशंका को नकारा नहीं जा रहा है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालने शुरू कर दिए हैं। मोबाइल लोकेशन डेटा और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मामले में पुलिस अधिकारियों ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि "हम इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर जांच रहे हैं। जल्द ही शव की पहचान हो जाएगी और सच्चाई सामने आएगी।" फिलहाल शव की पहचान के लिए फिंगरप्रिंट और डीएनए सैंपल लिए गए हैं। पुलिस ने आसपास के 2-3 किलोमीटर क्षेत्र में सर्च अभियान भी चलाया है ताकि कोई और सुराग मिल सके।

श्वेता चौबे बनी एसएसपी टिहरी

संवाददाता

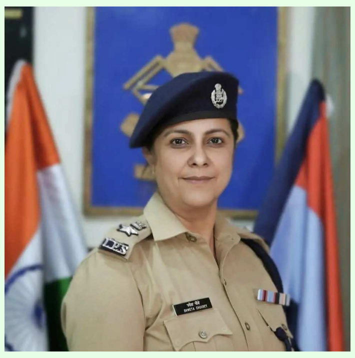

देहरादून। आईपीएस अधिकारियों के तबादले होने पर आईपीएस श्वेता चौबे को एसएसपी टिहरी का कार्यभार सौंपा गया। आज यहां आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किये गये। जिसके तहत चार वरिष्ठ अधिकारियो को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारियां सौंपी गयी है। जारी आदेश के अनुसार योगेन्र सिंह रावत को पुलिस महानिरीक्षके(कार्मिक/ मुख्यालय) से हटाकर पुलिस महानिरीक्षक कुम्भ मेला नियुक्त किया गया। आयुष अग्रवाल को एसएसपी टिहरी से स्थानांतरण कर एसएसपी कुम्भ मेला बनाया गया। वहीं श्वेता चौबे को सेनानायक आईआरबी द्वितीय से हटाकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी की कमान सौंपी गयी है। विशाखा अशोक भदाणे को पुलिस अधीक्षक क्राइम अगेंस्ट वूमेन/सीसीटीएनएस प्रशिक्षण से स्थानांतरित कर सेनानायक आईआरबी द्वितीय का कार्यभार सौंपा गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये गये।

चारधाम यात्रा 2026 से पहले होटल-लॉज के लिए सख्त निर्देश

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा-2026 के मद्देनजर जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग ने यात्रा मार्ग पर संचालित सभी होटल, लॉज, रिसॉर्ट, धर्मशाला और होमस्टे संचालकों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवासीय इकाइयों को अपनी दरें जिला पर्यटन कार्यालय रुद्रप्रयाग से अनिवार्य रूप से स्वीकृत करानी होंगी।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि यदि श्री केदारनाथ धाम यात्रा अवधि के दौरान कोई भी व्यवसायिक इकाई स्वीकृत दरों से अधिक शुल्क वसूलते हुए पाई जाती है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी इकाइयों के लिए उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण कराना भी अनिवार्य किया गया है। बिना पंजीकरण के संचालन करने वाले प्रतिष्ठानों पर चालान की कार्रवाई होगी। यह आदेश उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली 2014 (संशोधित 2016) के तहत जारी किया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल या अन्य आवासीय इकाइयों पर 10,000 रुपये तक का आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। प्रशासन ने सभी होटल व होमस्टे संचालकों से अपील की है कि वे समय रहते पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर लें और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर और पारदर्शी सुविधाएं मिल सकें।

यात्रा मार्ग के ढाबों, रेस्टोरेंटों में नहीं आने दी जाएगी एलपीजी की कमीः भट्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने चारधाम यात्रा को देखते हुए केंद्र द्वारा एलपीजी कोटे में की गई वृद्ध का स्वागत किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भरोसा दिलाया कि यात्रा को लेकर ढाबों, रेस्टोरेंटों में एलपीजी और वाहनों के लिए पेट्रोलियम पदार्थों की कमी नहीं होने दी जाएगा। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में इस वर्ष की यात्रा सफल, सुगम, सुरक्षित और नए रिकार्ड कायम करने वाली होगी। वहीं सभी लोगों से यात्रा मार्ग में एलपीजी, पेट्रोल डीजल की कमी की अफवाहों से बचने का आग्रह किया।

वर्तमान खाड़ी युद्ध संकट के चलते उत्तराखंड सरकार भी एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता को लेकर गंभीरता से कदम उठा रही है। चारधाम यात्रा को लेकर भी इस मुद्दे पर सरकार गंभीर है। उन्होंने सफल और सुरक्षित यात्रा की दृष्टि से प्रदेश सरकार की तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। कहा, आज एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की देश और प्रदेश में पर्याप्त स्टाक है, जिसमें पहले ही केंद्र सरकार, प्रदेश को 20 फीसदी अतिरिक्त कोटा प्रदान कर चुकी है। चूंकि चार धाम यात्रा शुरू होने वाली है, ऐसे में यात्रा मार्गों पर संचालित होने वाले ढाबों, रेस्टोरेंट और होटल में एलपीजी को लेकर चिंता जताई जा रही थी।

राज्य सरकार की तैयारी और केंद्र सरकार द्वारा 6 फीसदी अलग से कोटा देने के बाद, प्रदेश की यह चिंता भी अब समाप्त हो गई है। इसी तरह यात्रा मार्ग पर पेट्रोल,डीजल, सीएनजी की उपलब्धता पूरी तरह से बनी रहे इसको लेकर भी राज्य सरकार मुस्तैदी से कदम उठा रही है। उन्होंने यात्रा के दौरान आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने में केंद्र के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

चारधाम यात्रा राज्य की आर्थिक की रीढ़ः महेंद्र

चारधाम यात्रा राज्य की आर्थिक रीढ़ है और लाखों लोगों का व्यवसाय इससे जुड़ा हुआ है। लिहाजा उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि पर्यटकों या तीर्थ यात्रियों की सभी संभव जरूरतों को लेकर अनधिकृत और अपुष्ट दावों पर अनावश्यक चर्चा से बचें। क्योंकि यात्रा के दौरान जरूरी खाने-पीने, आवास और ईंधन को लेकर फैलने वाली अफवाहों का नकारात्मक असर यात्रा पर पड़ सकता है। प्रदेश की जनता को सरकार की तैयारियां पर यकीन है कि एक भी यात्री को इस तरह की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। अतिथि देवो भवः की भावना के साथ राज्य सरकार सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।